हिंदी

Std. 10th Hindi – Maharashtra Board, English Medium

Based on Maharashtra State Board Syllabus

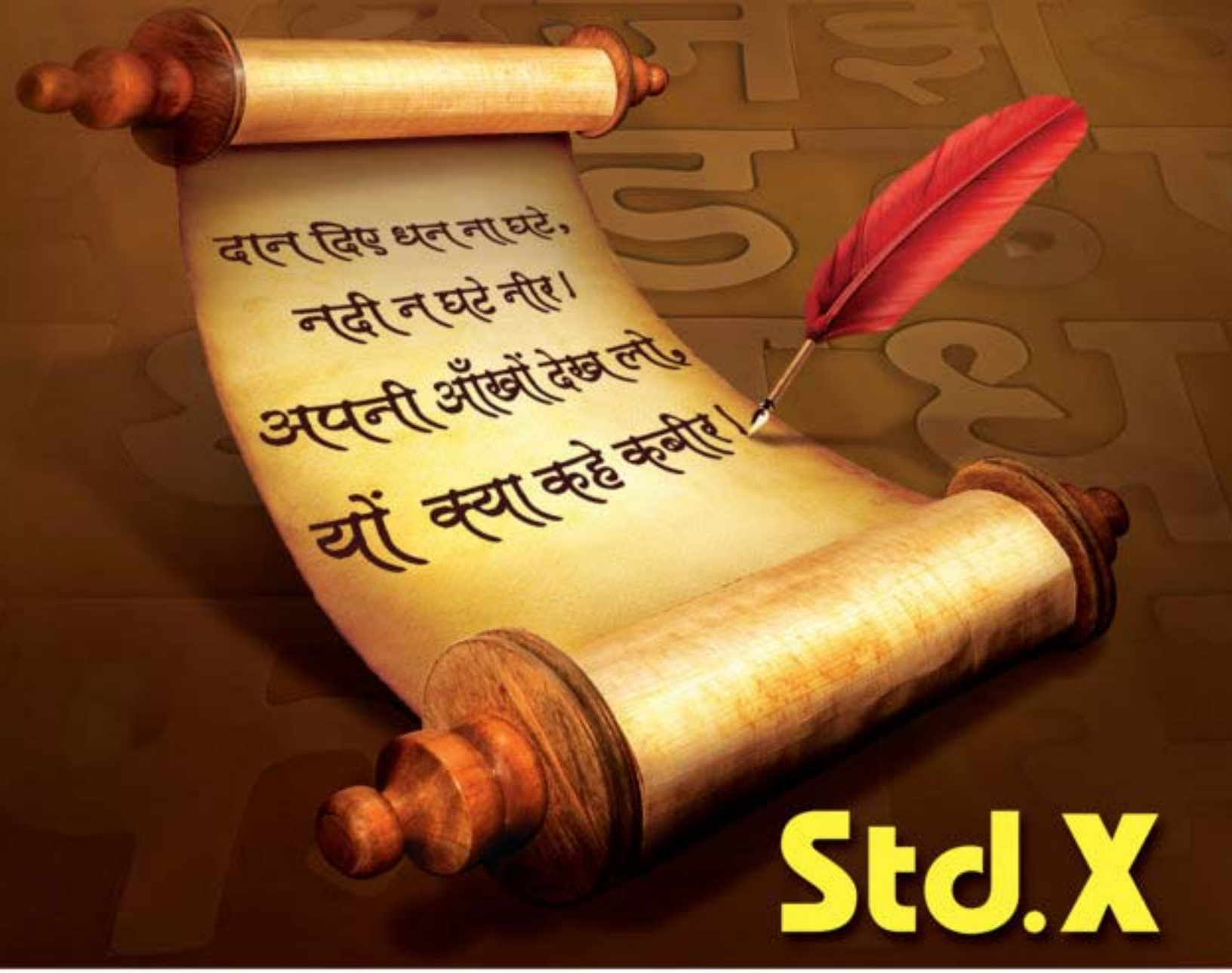

Std. X

Target Publications Pvt. Ltd.

हिंदी लोकभारती

दसवीं कक्षा

सौ. सुनिता हासे
(*M.A. B.Ed.*)
I.E.S. V.N. Sule Guruji English Medium School, Dadar

Salient Features:

- ✓ Based upon the latest paper pattern for Std. X.
- ✓ Covers answers to all Textual and Board Questions.
- ✓ Grammar section with precise theory and ample examples.
- ✓ Model Question Papers Included

Target PUBLICATIONS PVT. LTD.
Mumbai, Maharashtra
Tel: 022 – 6551 6551
Website : www.targetpublications.in
www.targetpublications.org
email : mail@targetpublications.in

हिंदी लोकभारती
दसवीं कक्षा

© **Target Publications Pvt Ltd.**

First Edition : April 2013

Price : ₹ 140/-

Printed at:
Spark Offset
Nerul
Navi Mumbai

Published by

Target PUBLICATIONS PVT. LTD.
Shiv Mandir Sabhagriha,
Mhatre Nagar, Near LIC Colony,
Mithagar Road,
Mulund (E),
Mumbai - 400 081
Off.Tel: 022 – 6551 6551
email: mail@targetpublications.in

प्रस्तावना

प्रिय छात्रगण !

दसवीं हिंदी के नवीनतम पाठ्यक्रम पर आधारित यह पुस्तक आपके हाथों में सौंपते हुए मुझे अत्यंत हर्ष और संतोष की अनुभूति हो रही है।

विद्यार्थी का अर्थ है – विद्या प्राप्त करनेवाला। वैसे तो मनुष्य जीवन भर कुछ न कुछ सीखता रहता है, परंतु हम यहाँ विद्यार्थी, उसे कह रहे हैं जो किसी विद्यालय में अध्ययनरत है। विद्यार्थी के लिए सबसे महत्त्वपूर्ण है उसमें जिज्ञासा हो, और साथ-साथ वह परिश्रमी हो।

परीक्षा में शानदार सफलता पाने के लिए उसे सही ढंग से परिश्रम करने चाहिए। इसी उद्देश्य को सम्मुख रख नए पाठ्यक्रम के अनुरूप यह पुस्तक रची है। जिसकी सहायता से मेरे प्यारे छात्रगण अधिकाधिक अंक प्राप्त कर सकेंगे और यह पुस्तक उनके मार्गदर्शन का कार्य करेगी।

इस वर्ष से पाठ्यक्रम और परीक्षा-प्रणाली में बहुत परिवर्तन हुए है। ये परिवर्तन इस प्रकार हैं:

1. प्रश्न-पत्र का स्वरुप – प्रश्नपत्र के स्वरुप में काफी परिवर्तन हुए है। प्रश्न क्र.1, 2 में वस्तुनिष्ठ प्रश्न, फिर लघुत्तरी, आकलन प्रश्न है। जिसके अंतर्गत सही विकल्प, रिक्त स्थान, एक वाक्य में उत्तर, पठित गद्यखंड-पद्यखंड और संक्षेप में उत्तर लिखिए (50-60 शब्दोंमें) ये प्रश्न आते हैं।
2. व्याकरण – भाग में सव्यय, सहायक क्रिया, प्रेरणार्थक क्रिया इनका समावेश हुआ है। मुहावरों के प्रश्न स्वरूप में परिवर्तन है।
3. निबंध लेखन के लिए 8 अंकों के बदले 10 अंक है।
4. पत्रलेखन, कहानी लेखन के लिए 5-5 अंकों के बजाय 4-4 अंकों दिए गए है।
5. विज्ञापन तैयार करने के लिए 4 अंक है।
6. पुराने पाठ्यक्रम के अनुसार अपठित गद्यखंड पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखने होते थे, इस वर्ष से (एक-एक वाक्य में उत्तर हो ऐसे) प्रश्न तैयार करने हैं, जिसे 4 अंक दिए गए हैं।

इन सभी परिवर्तनों को ध्यान में रखते हुए, हमने पूर्ण पुस्तक की रचना करने की सार्थक कोशिश की है।

आशा है, यह पुस्तक रोचक, स्तरीय और प्रामाणिक बनें, इसके लिए आपके सुझावों की प्रतीक्षा रहेगी।

लेखिका,

सौ. सुनिता हासे

विषय - सूची

क्र.	शीर्षक	रचनाकार	पृष्ठांक
	गद्य - विभाग		
1	प्रायश्चित	भगवतीचरण वर्मा	1
2	शिकारी राजकुमार	प्रेमचंद	15
3	आनंद का क्षण	कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'	26
4	वाणी का सदुपयोग	विनोबा भावे	39
5	वक्त के साथ दगाबाजी	हरिवंशराय 'बच्चन'	48
5	पलाश	परशुराम शुक्ल	58
7	कूर्मांचल में कुछ दिन	धर्मवीर भारती	67
8	राजा हरिश्चंद्र के आँसू	अजातशत्रु	77
9	अंधेर नगरी	भारतेंदु हरिश्चंद्र	86
10	साहब फिर कब आएँगे माँ?	दामोदर खड़से	96
11	संपन्नता	राजेंद्र श्रीवास्तव	104
12	सफलता की चुनौतियाँ	प्रीति मोंगा	115
	पद्य – विभाग		
1	कबीर के दोहे	कबीर	123
2	सूर के पद	सूरदास	127
3	रहीम के दोहे	रहीम	131
4	खग उड़ते रहना	गोपालदास सक्सेना 'नीरज'	135
5	जीवन का झरना	आरसीप्रसाद सिंह	140
6	जनगीत	सुमित्रानंदन पंत	143
7	थाम लो संभालकर...	रामावतार त्यागी	147
8	मत कहो आकाश में...	दुष्यंत कुमार	151
9	मेघ आए	सर्वेश्वरदयाल सक्सेना	155

क्र.	शीर्षक	रचनाकार	पृष्ठांक
	पूरक पठन		
1	अपनी – अपनी बीमारी	हरिशंकर परसाई	159
2	गंगाबाबू हैं कौन?	गौरा पंत 'शिवानी'	163
3	तुलसी का बिरवा	प्रेमानंद चंदोला	168
4	थिंफू : भूटान की वर्तमान राजधानी	प्रवीण कारखानीस	171
5	1. साहसी बालक 2. प्रेरणादायी प्रसंग	संकलित	174
6	टेसी थॉमस	'सी. एस. आर. के सौजन्य से'	178
	व्याकरण – विभाग		
1	मानक वर्तनी		179
2	विरामचिह्न		181
3	शब्दभेद		183
4	काल		187
5	सहायक क्रिया		189
6	प्रेरणार्थक क्रिया		192
	विशेष अध्ययन हेतु		195
	लेखन – विभाग		
1	निबंध लेखन		199
2	पत्र लेखन		204
3	कहानी लेखन		212
4	विज्ञापन		218
5	आकलन		220
	प्रश्नपत्र		
1	प्रश्नपत्र का प्रारूप		223
2	नमूना प्रश्नपत्र - 1		225
3	नमूना प्रश्नपत्र - 2		230

गद्य - विभाग

01 प्रायश्चित

भगवतीचरण वर्मा
(सन 1903 – 1981 ई)

लेखक परिचय :
भगवतीचरण वर्मा हिंदी जगत के प्रमुख साहित्यकार हैं। इन्होंने लेखन तथा पत्रकारिता के क्षेत्र में प्रमुख रूप से कार्य किया है।

प्रमुख रचनाएँ :
'चित्रलेखा', 'भूले बिसरे चित्र', 'प्रेमसंगीत', 'सबहि नचावत राम गुसाई', 'मेरी कहानियाँ' आदि।

विषय प्रवेश :
प्रस्तुत कहानी द्वारा लेखक ने बड़े ही रोचक ढ़ंग से लोगों पर अंधविश्वास का कितना गहरा असर होता है यह प्रस्तुत किया है। लेखक ने धर्म के नाम पर श्रद्धा और विश्वास के साथ खिलवाड़ करने वाले लोगों पर व्यंग्य करते हुए यह समझाया है कि अंधविश्वास ना करें।

सारांश :
इस कहानी में लेखक ने रामू की पत्नी से बिल्ली की हत्या होने की बात को लेकर जो बतंगड़ होता है उसे बताया है।
रामू की पत्नी से बिल्ली की हत्या होने की बात को लेकर सभी घरवाले परेशान हो जाते हैं। बिल्ली की हत्या की बात को बहुत अशुभ मानकर उसका हल ढूँढ़ते हैं और पंडित जी की सलाह लेते हैं। पंडित परमसुख मौके का फायदा उठाकर, जितना हो सके उतना रामू के परिवार को लूटना चाहते हैं। रामू का परिवार मजबूरी में पंडित परमसुख की माँगों को पूरा करने के लिए तैयार हो जाता है। मोल-तोल चल ही रहा था इतने में सौभाग्य से बिल्ली उठकर भाग जाती है और बिल्ली की हत्या के पाप से परिवार बच जाता है।
लेखक ने इस कहानी के माध्यम से यह समझाया है कि समाज में अनेक अंधविश्वास प्रचलित हैं। आज के आधुनिक युग में भी कई लोग अंधविश्वास का शिकार हो जाते हैं।

शब्दार्थ :

घृणा – द्वेष, नफरत (hatred)
दुलारी – प्यारी, लाड़ली (darling)
ऊँध जाना – नींद में झूमना (to doze off)
मिसरानी – खाना बनानेवाली ब्राह्मण स्त्री (cooking maid)
बालाई – मलाई (cream)
रबड़ी – बासौंधी, मिठाई (sweet)
व्यंजन – पकवान (a delicacy)
सरगर्मी – उमंग, उत्साह, आवेश (impulse)
नदारद – गायब (missing, disappear)
दुश्वारा – कठिन, मुश्किल (difficult)
पतोहू – बेटे की स्त्री, बहू (daughter-in-law)
पाटा – पीढ़ा (लकड़ी का बना हुआ) (wooden board made of wood)
किफायत – मितव्यय, कम खर्च बाबत (saving)
व्यंग्य – मजाक, किसी की हँसी उड़ाना (sarcastic)
महूरत – मुहूर्त, शुभकाल (auspicious time)
कुंभीपाक – नरक (hell)

मुहावरे के अर्थ और वाक्यों में प्रयोग :

1. **जान आफत में आना** – मुश्किल में पड़ना।
कर्ज के बोझ से रामचंद्र जी की जान **आफत में आ गई थी।**

2. **मन लगाना** – कोई काम लगन से करना, रुचि पैदा होना।
कोई भी काम **मन लगाकर** करने से सफलता प्राप्त होती है।

3. **ऊँघ जाना** – नींद में झूमना।
गाड़ी में सफर करते-करते मैं **ऊँघ गया था।**

4. **परच जाना** – हिल मिल जाना।
मैं अपने दादा-दादी के साथ काफी **परच गया था।**

5. **कान में पहुँचना** – मालूम हो जाना।
मैं जैसे ही परीक्षा में फेल हुआ, तुरंत यह बात मेरे परिवार के कानों में पहुँच गई।

6. **खिसक जाना** – दूर हो जाना।
जब मैंने देखा कि दो दोस्त आपस में झगड़ रहे हैं, मैं वहाँ से **खिसक गया।**

7. **बिजली की तरह फैलना** – मालूम हो जाना।
मेरे पड़ोसी के घर में चोरी हुई, यह बात सारे मुहल्ले में **बिजली की तरह फैल गई।**

8. **सिर झुकाए बैठना** – लज्जित होना।
बहू से जब गलती हुई तब वह सास के सामने **सिर झुकाए बैठी रही।**

9. **माथे पर बल पड़ना** – क्रोध दिखना।
पेट्रोल के बढ़े दामों को देखकर लोगों के **माथे पर बल पड़ेगा।**

10. **आँखें फाडकर देखना** – आश्चर्य से देखना।
शहर में अचानक तेंदुए को देखकर लोग **आँखें फाडकर देखने लगे।**

11. **हाथ का मैल होना** – मामूली होना।
अमीरों के लिए 100 रुपया **हाथ का मैल** होता है।

12. **पैर पकड़ना** – क्षमायाचना करना।
मैंने अपनी गलती स्वीकारी और पिताजी के **पैर पकड़ लिए।**

13. **खून सवार हो जाना** – बहुत गुस्सा आना।
अन्याय होते देखकर कई बार मुझ पर खून सवार हो जाता है।

14. **कमर कस लेना** – तैयार हो जाना, बात को ठान लेना।
मेरी बहन ने **कमर कस ली** थी कि वह अव्वल नम्बर से पास होगी।

15. **ताँता बंध जाना** – भीड़ जम जाना, कतार लग जाना।
महात्मा जी के दर्शन के लिए लोगों का **ताँता बंध गया।**

16. **पाप कटना** – पाप दूर होना।
गंगा मे नहाने से पाप कटता है ऐसा लोग मानते हैं।

17. **निगाह तक न डालना –** बिल्कुल ध्यान न देना।
गरमीं की छुट्टियों में बच्चे पढ़ाई की तरफ निगाह तक नही डालते है।

18. **चंपत होना –** गायब हो जाना।
देखते ही देखते पुलिस की आँखो के सामने चोर चंपत हो गया।

19. **जान में जान आना। –** निश्चिंत होना, छुटकारा पाना।
बाढ़ के पानी से सही सलामत आते अपने बच्चों को देखकर माँ की जान में जान आ गई।

20. **चेहरे पर धुँदला पन आना** – उदासी या सूखापन महसूस करना।
माँ के कुछ दिनों के गाँव चले जाने से रामू के चेहरे पर धुँदला पन आगया।

21. **नाक सिकुड़ना –** अरूचि या अप्रसन्नता प्रकट करना।
ट्रेन में भिखारियों को देख लोग नाक सिकुड़ते हैं।

22. **काम चल जाना –** जैसे-तैसे काम निकलना।
नौकरानी काम पर ना आने की वजह से सविता ने जैसे-तैसे ही काम चलाया।

23. **मुँह मोडना –** उपेक्षा करना।
अपनी जिम्मेदारियों से कभी मुँह नही मोड़ना चाहिए।

24. **चौक पड़ना –** आश्चर्यचकित होना।
इलाहाबाद से अचानक आई मौंसी को देखकर हम सब चौंक पड़े।

25. **हाथ में आना –** काबू या कब्जे में आना।
कितनी मुश्कीलोंसे वह चोर आखिर पुलिस के हाथ मे आ गया।

कहावत :

1. न रहे बाँस न बजे बाँसुरी – झगड़े की जड़ को नष्ट कर देने पर ही झगड़ा खत्म हो सकता है।

स्वाध्याय

प्र.1 हेतुलक्ष्यी प्रश्नः

अ. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक वाक्य में लिखिए :

***1. रामू की बहू किससे घृणा करती थी?**
उत्तर: रामू की बहू कबरी बिल्ली से घृणा करती थी।

***2. सुबह होने पर रामू की बहू ने क्या देखा?**
उत्तर: सुबह होने पर रामू की बहू ने देखा कि कबरी देहरी पर बैठी बड़े प्रेम से देख रही है।

***3. महरी के किस सुझाव पर सास की जान में जान आई?**

उत्तर: महरी के 'पंडित जी को बुलाने' के सुझाव पर सास की जान में जान आई।

***4. कौन-सी खबर बिजली की तरह पड़ोस में फैल गई?**

उत्तर: बिल्ली की हत्या की ख़बर बिजली की तरह पड़ोस में फैल गई।

***5. प्रायश्चित के लिए कितने तोले की बिल्ली दान करना तय हुआ?**

उत्तर: प्रायश्चित के लिए ग्यारह तोले की बिल्ली दान करना तय हुआ।

6. बिल्ली घर भर में किस से बहुत प्रेम करती थी।

उत्तर: बिल्ली घर में रामू की बहू से सबसे ज्यादा प्रेम करती थी।

7. रामू की बहू ने क्या तय किया था?

उत्तर: रामू की बहू ने तय कर लिया था कि या तो 'वह' घर में रहेगी या फिर कबरी बिल्ली।

8. रामू की बहू को घर में रहना क्यों मुश्किल हो गया था?

उत्तर: कबरी के हौसले बढ़ जाने से रामू की बहू को घर में रहना मुश्किल हो गया था।

9. रामू की बहू ने किस बात पर कमर कस ली थी?

उत्तर: रामू की बहू ने कबरी की हत्या के लिए कमर कस ली थी।

10. पंडित परमसुख ने बिल्ली की हत्या का क्या हल बताया?

उत्तर: पंडित परमसुख ने सोने की बिल्ली बनवाकर बहू से दान करवाने का हल बताया।

11. महरी ने लड़खड़ाते स्वर में क्या कहा?

उत्तर: महरी ने लड़खड़ाते स्वर में कहा कि बिल्ली तो उठकर भाग गई।

12. इस कहानी से हमें क्या शिक्षा मिलती है?

उत्तर: इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें अंधविश्वास नहीं करना चाहिए।

आ. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर एक-एक वाक्य में लिखिए :

"इक्कीस दिन के पाठ के इक्कीस रुपए और इक्कीस दिन तक दोनों बखत पाँच-पाँच ब्राह्मणों को भोजन करवाना पड़ेगा।" कुछ रुककर पंडित जी ने कहा, "सो इसकी चिंता न करो, मैं अकेले दोनों समय भोजन कर लूँगा और मेरे अकेले भोजन करने से पाँच ब्राह्मणों के भोजन का फल मिल जाएगा।"

"यह तो पंडित जी ठीक कहते हैं। पंडित जी की तोंद तो देखा !" मिसरानी ने मुस्कराते हुए पंडित जी पर व्यंग्य किया।

***1. पंडित जी के कथन से उनकी कौन-सी वृत्ति सूचित होती है?**

उत्तर: पंडित जी के कथन से पता चलता है कि वे कितने स्वार्थी और लोभी थे।

***2. पंडित जी लोगों की किस भावना का लाभ उठाते नजर आ रहे हैं?**

उत्तर: पंडित जी लोगों के अंधविश्वास का लाभ उठाते नजर आ रहे हैं।

***3. मिसरानी ने पंडित जी पर किस प्रकार व्यंग्य किया?**

उत्तर: "पंडित जी की तोंद तो देखो !" इस तरह से मिसरानी ने पंडित पर व्यंग्य किया।

इ. किसने, किस संदर्भ में कहा :

***1. "अरे राम ! बिल्ली तो मर गई।"**

उत्तर: यह वाक्य महरी ने माँ जी से कहा।

रामू की बहू ने बिल्ली के ऊपर पाटा पटक दिया जिसकी आवाज से महरी झाड़ू छोड़कर घटनास्थल पर आई और उसने माँ जी से प्रस्तुत वाक्य कहा।

***2. "लाला घासीराम की पतोहू ने बिल्ली मार डाली है।"**

उत्तर: यह वाक्य पंडित परमसुख ने पंडिताइन से कहा।

पंडित परमसुख को लाला घासीराम की पतोहू के द्‌वारा बिल्ली की हत्या हुई यह ख़बर जब मिली तब उन्होंने मुस्कराते हुए प्रस्तुत वाक्य कहा।

***3. "अब आगे बतलाओ कि क्या किया जाए?"**

उत्तर: यह वाक्य रामू की माँ ने पंडित जी से कहा।

बिल्ली की हत्या के बाद प्रायश्चित्त के संदर्भ में उपरोक्त वाक्य कहा।

***4. "इतना खर्च कौन आप लोगों को अखरेगा।"**

उत्तर: यह वाक्य मिसरानी ने रामू की माँ से कहा।

पंडित जी द्‌वारा बताए गए खर्च से रामू की माँ के घबरा जाने पर उपरोक्त वाक्य कहा गया।

***5. "बेचारी को कितना दुख है ... बिगड़ो मत। "**

उत्तर: यह वाक्य मिसरानी, छन्नू की दादी और किसनू की माँ ने पंडीतजी से कहा।

रामू की माँ से नाराज होकर पर जब पंडित जी सब समेटकर घर से जाने लगे तब उपर्युक्त वाक्य कहा गया।

6. "अब तो जो नाच नचाओगे सो नाचना ही पड़ेगा।"

उत्तर: रामू की माँ ने पंडित जी से कहा।

पड़ोसियों और पंडित जी के दबाव के आगे झुकते हुए कहा।

7. "पंडित जी की तोंद तो देखो।"

उत्तर: यह वाक्य मिसरानी ने पंडित जी पर व्यंग्य से कहा।

संदर्भ: पंडित जी द्‌वारा पाँच व्यक्तियो का खाना स्वंय ही खाने के संदर्भ में कहा गया है।

8. "माँ जी, बिल्ली तो उठकर भाग गई।"

उत्तर: यह वाक्य महरी ने माँ जी से कहा।

कुछ समय बाद बिल्ली के जिंदा हो जाने के संदर्भ में कहा गया।

9. "यही कोई सात बजे सुबह।"

उत्तर: यह वाक्य मिसरानी ने पंडित जी से कहा।

पंडित जी द्‌वारा बिल्ली की हत्या के समय के बारे में जानकारी मांगने के बारे में कहा गया।

10. "उसमें क्या मुश्किल है, हम लोग किस दिन के लिए हैं।"

उत्तर: यह वाक्य पंडित जी ने रामू की माँ से कहा।

रामू की माँ द्‌वारा बिल्ली की हत्या के पाप से बचने के लिए पंडित जी से उपाय पूछे जाने के संदर्भ में कहा गया।

ई. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

*1. बिल्ली फँसाने का ..... आया ।

*2. लेकिन बिल्ली ने उधर ..... तक नहीं डाली।

*3. सारा बल लगाकर ..... उसने बिल्ली पर पटक दिया।

*4. मिसरानी रसोई छोड़कर और सास पूजा छोड़कर ..... पर उपस्थित हो गईं।

*5. पंडित परमसुख की बात से ..... प्रभावित हुए।

6. कबरी के ..... बढ़ जाने से रामू की बहू को घर में रहन मुश्किल हो गया।

7. एक दिन रामू की बहू ने रामू के लिए ..... बनाई।

8. रामू की बहू को देखते ही ..... चंपत।

9. रामू की बहू सिर झुकाए हुए ..... की भाँति बातें सुन रही थी।

10. बिल्ली की ..... की ख़बर बिजली की तरह पड़ोस में फैल गई।

11. पंडित परमसुख पहुँचे और ..... पूरा हुआ।

12. मोल-तोल शुरू हुआ और मामला ..... तोले की बिल्ली पर ठीक हो गया।

13. इतना कहकर पंडित जी ने ..... बटोरा।

उत्तर: 1. कठघरा 2. निगाह 3. पाटा 4. घटनास्थल
5. पंच 6. हौसले 7. खीर 8. कबरी
9. अपराधिनी 10. हत्या 11. कोरम 12. ग्यारह
13. पोथी-पत्रा।

उ. सही विकल्प चुनकर पूर्ण वाक्य फिर से लिखिए :

***1. पंडित परमसुख ने रामू की माँ से कहा कि मुँह न मोड़ो .....।**

(अ) अपनी भोली बहू से।

(ब) धार्मिक क्रिया कर्म के लिए आवश्यक खर्चे से।

(क) मिसरानी द्वारा दी हुई मौलिक सलाह से।

उत्तर: पंडित परमसुख ने रामू की माँ से कहा कि मुँह न मोड़ो **धार्मिक क्रिया कर्म के लिए आवश्यक खर्चे से।**

2. अगर कबरी बिल्ली घर-भर में किसी से प्रेम करती थी तो वो .....।

(अ) रामू की बहू से।

(ब) मिसरानी से ।

(क) रामू की माँ से।

उत्तर: अगर कबरी बिल्ली घर-भर में किसी से प्रेम करती थी तो वो **रामू की बहू से।**

3. रामू की बहू ने कबरी की हत्या पर .....।

(अ) खून सवार हो गया।

(ब) कमर कस ली।

(क) पल्ले बाँध ली।

उत्तर: रामू की बहू ने कबरी की हत्या पर **कमर कस ली।**

4. बिल्ली की हत्या की ख़बर बिजली की तरह .....।

(अ) सारे संसार में फैल गई।

(ब) मुहल्ले में फैल गई।

(क) पड़ोस में फैल गई।

उत्तर: बिल्ली की हत्या की ख़बर बिजली की तरह **पड़ोस में फैल गई।**

5. पंडित परमसुख को जब यह ख़बर मिली उस समय वे .....।

(अ) पूजा कर रहे थे।

(ब) स्नान कर रहे थे।

(क) खाना खा रहे थे।

उत्तर: पंडित परमसुख को जब यह ख़बर मिली उस समय वे **पूजा कर रहे थे।**

6. इतना कहकर पंडित जी ने अपना .....।

(अ) सामान संभाला।

(ब) पोथी-पत्रा बटोरा।

(क) चश्मा संभाला ।

उत्तर: इतना कहकर पंडित जी ने अपना **पोथी-पत्रा बटोरा।**

7. पंडित जी की बात खत्म नहीं हुई थी कि .....।

(अ) महरी हाँफती हुई आई।

(ब) रामू हाँफता हुआ आया।

(क) माँ जी भाग कर आई।

उत्तर: पंडित जी की बात खत्म नहीं हुई थी कि **महरी हाँफती हुई आई।**

प्र.2 लघूत्तरी प्रश्न :

***निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए :**

1. कबरी बिल्ली ने रामू की बहू को किस प्रकार तंग कर रखा था ।

उत्तर: लेखक भगवतीचरण वर्मा द्वारा रचित 'प्रायश्चित्त' एक रोचक कहानी है। इस कहानी में लेखक ने धर्म के नाम पर श्रद्धा और विश्वास के साथ खिलवाड़ करने वाले लोगों की स्वार्थभरी मानसिकता पर करारा व्यंग्य कसा है।

कबरी बिल्ली ने सबसे ज्यादा रामू की बहू को तंग करके रखा था। मौका मिलते ही वह घी-दूध सब चट कर जाती थी। रामू की बहू दूध ढँककर मिसरानी को जिन्स देने गई और कबरी ने दूध सफाचट कर दिया। रामू की बहू ने रामू के लिए रबड़ी से भरी कटोरी रखी थी लेकिन रामू जब तक आया तब तक कटोरी साफ चटी हुई मिली। बाजार से जो मलाई आई, उसे भी कबरी बिल्ली ने खा लिया था।

इस तरह से कबरी बिल्ली ने रामू की बहू को ऐसे तंग कर रखा था कि रामू की बहू के लिए खाना-पीना दुश्वार हो गया था।

2. रामू की बहू ने बिल्ली की हत्या की क्या योजना बनाई और क्यों?

उत्तर: लेखक भगवतीचरण वर्मा द्वारा रचित 'प्रायश्चित्त' एक रोचक कहानी है। इस कहानी में लेखक ने धर्म के नाम पर श्रद्धा और विश्वास के साथ खिलवाड़ करने वाले लोगों की स्वार्थभरी मानसिकता पर करारा व्यंग्य कसा है।

कबरी बिल्ली के हौसले काफी बढ़ गऐ थे और रामू की बहू का घर पर रहना मुश्किल हो गया था। एक दिन रामू की बहू ने रामू के लिए खीर बनाई। खीर को कमरे के एक ऊँचे ताक पर रखा जहाँ बिल्ली ना पहुँच सके। रामू की बहू पान लगाने में लग गई। उधर कमरे में बिल्ली आई और खीर के कटोरे को देखा। बिल्ली ने छलाँग मारी पंजा कटोरे में लगा और झनझनाहट की आवाज के साथ फर्श पर गिरा। रामू की बहू दौड़कर आई, जब उसने देखा कि बिल्ली डटकर खीर खा रही है तो उस पर खून सवार हो गया। उसने तय कर लिया कि बिल्ली की हत्या की जाये। फिर रामू के बहू ने एक योजना बनाई। वह जानबूझकर एक कटोरा दूध कमरे के दरवाजे की देहरी पर रखकर चली गई। हाथ मे पाटा लेकर वह लौटी तो बिल्ली दूध पर जुटी हुई थी। रामू की बहू ने हाथ आए मौके का उपयोग करके सारा बल लगाकर पाटा कबरी बिल्ली पर पटक दिया।

इस प्रकार बिल्ली से तंग आकर रामू की बहू ने उसकी हत्या की योजना बनाई।

3. पंडित परमसुख ने बिल्ली की हत्या के पाप से बचने के लिए क्या उपाय बताए?

उत्तर: लेखक भगवतीचरण वर्मा द्वारा रचित 'प्रायश्चित्त' एक रोचक कहानी है। इस कहानी में लेखक ने धर्म के नाम पर श्रद्धा और विश्वास के साथ खिलवाड़ करने वाले लोगों की स्वार्थभरी मानसिकता पर करारा व्यंग्य कसा है।

पंडित परमसुख ने बिल्ली की हत्या के पाप से बचने के लिए प्रायश्चित्त करने को कहा। स्वार्थी और लोभी स्वभाव के उस पंडित ने उपाय के बतौर इक्कीस तोले की सोने की बिल्ली बनवाकर बहू से दान करवाने के लिए कहा। बिल्ली दान करने के बाद इक्कीस दिन का पाठ भी करने को कहा। पूजा की सामग्री पंडित जी के घर पर भिजवाने को कहा और दान के लिए करीब दस मन गेहूँ, एक मन चावल, एक मन दाल, मनभर तिल, पाँच मन जौ, पाँच मन चने, चार पसेरी घी और मनभर नमक देने को कहा। इतना ही नहीं, उन्होंने इक्कीस दिन के पाठ के इक्कीस रुपए और इक्कीस दिन तक दोंनों वक्त पाँच-पाँच ब्राह्मणों को भोजन करवाने की भी माँग की।

इस प्रकार 'कुंभीपाक नरक वास' का भय दिखाकर पंड़ित परमसुख ने बिल्ली के हत्या के प्रायश्चित्त के नाम पर रामू के परिवार सदस्यों को खार्चिक उपाय बताए।

4. रामू की माँ पर पंडित परमसुख के चरण पकड़ने की नौबत क्यो आई?

उत्तर: लेखक भगवतीचरण वर्मा द्वारा रचित 'प्रायश्चित्त' एक रोचक कहानी है। इस कहानी में लेखक ने धर्म के नाम पर श्रद्धा और विश्वास के साथ खिलवाड़ करने वाले लोगों की स्वार्थभरी मानसिकता पर करारा व्यंग्य किया है।

जब रामू की माँ ने प्रायश्चित्त के विधान से काफी खर्चा होगा, अपने मन की बात को प्रकट कि, तब पंडित जी ने कहा कि यही एक उपाय है बिल्ली की हत्या के पाप से बचने के लिए। पंडित जी ने कहा कि यह बड़ा पाप है; बड़े पाप के लिए बड़े खर्चे भी करने पड़ेंगें। उन्होंने यह भी कहा कि एक तरफ तो बहू के लिए कुंभीपाक नरक है तो दूसरी तरफ तुम्हारे जिम्मे थोड़ा-सा खर्चा है। सो उससे मुँह न मोड़ो। यह सुनकर रामू की माँ ने कहा कि "पंडित जी अब जो नाच नचवाएँगें, नाचना पड़ेगा।" पंडित परमसुख इस बात पर बिगड़ गए और उन्होंने अपना पोथी-पत्रा बटोरा। यह देखकर रामू की माँ ने घबरा कर पंडित जी के पैर पकड़े।

5. 'प्रायश्चित्त' कहानी द्वारा लेखक ने धार्मिक अंधविश्वास पर क्या व्यंग्य कसा है?

उत्तर: लेखक भगवतीचरण वर्मा द्वारा रचित 'प्रायश्चित्त' एक रोचक कहानी है। इस कहानी में लेखक ने धर्म के नाम पर श्रद्धा और विश्वास के साथ खिलवाड़ करने वाले लोगों की स्वार्थभरी मानसिकता पर करारा व्यंग्य किया है।

प्रायश्चित्त कहानी द्वारा लेखक ने धर्म के नाम पर श्रद्धा और विश्वास के साथ खिलवाड करने वालों के बारे में करारा व्यंग्य किया है। समाज में आज भी लोग अंधविश्वास को महत्त्व देते हैं। अंधविश्वास के घेरे में आकर अनेक गलत क्रियाकर्म किए जाते है, पैसा पानी की तरह व्यर्थ बहाया जाता है। यह भी नहीं देखा जाता कि सचमुच जो कुछ हम कर रहे हे उसका कुछ फायदा हो रहा है या नही। आज के इस विज्ञानयुग में भी इस तरह के पिछड़ेपन को देखकर मन दुखी हो जाता है।

लेखक इस कहानी द्वारा लोगों को सीख देना चाहते हैं कि विश्वास होना चाहिए पर अंधविश्वास नहीं होना चाहिए।

*रचनाकार्य :

1. निबंधलेखन:

'विज्ञान के चमत्कार' विषय पर लगभग दो सौ शब्दों तक निबंध लिखिए।

विज्ञान के चमत्कार

"घर-घर फैला आज विज्ञान का प्रकाश है।
जिसके कारण मनुष्य छूने चला आकाश है।"

आज का युग आधुनिक युग है। इसे हम विज्ञान युग भी कह सकते हैं। विज्ञान ने मानव के कई सपनों को साकार कर दिया है। विज्ञान की सहायता से मनुष्य चाँद पर पहुँच पाया है। दूरध्वनी, रेडियो, दूरदर्शन, मोबाइल, चल दूरभाष, लैपटॉप आदि समाचार-वहन के अद्‌भुत साधन विज्ञान की देन हैं। बिजली का आविष्कार भी विज्ञान की ही एक बड़ी देन है।

विज्ञान ने हमारी यात्राओं को आसान और सुखद बना दिया है। यातायात के आधुनिक साधनों से विज्ञान ने सारे जग को एक सूत्र में बाँध रखा है। पूराने जमाने में एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुँचने के लिए जहाँ कई दिन, घंटे लगते थे वहाँ आज हवाई जहाज, रेल या यातायात के,अन्य साधनों से सहजता से थोडे ही समय में पहुँच सकते हैं।

विज्ञान के चमत्कारों ने चिकित्सा और कृषि क्षेत्र में महापरिवर्तन ला दिया है। विज्ञान की मदद से कई रोगों पर काबू पा लिया गया है। नए-नए यंत्र, नई खाद का आविष्कार करके विज्ञान ने कृषि क्षेत्र में भी क्रांति ला दी है। मनोंरजन के क्षेत्र में विज्ञान ने काफी प्रगति कर ली है। आज दुनिया के हर क्षेत्र में लोग दूरदर्शन का आंनद उठा रहे हैं।

किन्तु विज्ञान के चमत्कारों में वे भीषण अस्त्र-शस्त्र भी शामिल हैं, जो संपूर्ण मानव जाति के लिए खतरा बन गए हैं। मनुष्य जाति विज्ञान के चमत्कारों का गलत उपयोग भी कर रही है। अनुबम, अलग – अलग शस्त्रों का गलत प्रवृत्तिवाले लोग गलत तरीकों से उपयोग कर रहे हैं। इस पर सभी को ध्यान देना चाहिए।

वाकई में विज्ञान के चमत्कार अदभुत हैं। मनुष्य को चाहिए कि इसका सही उपयोग करे और हर क्षेत्र में आगे बढ़े।

2. निम्नलिखित प्रसंगचित्रों के आधार पर कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए और उससे मिलने वाली सीख भी लिखिए।

[एक विद्‌यार्थी – मंदबुद्‌धि होना – माता - पिता निराश – शिक्षक का समझाना – ध्यान न देना – निराश होकर चल पड़ना – मार्ग में कुआँ – स्त्रियों को पानी भरते हुए देखना – कुएँ के पत्थरों पर गहरे निशान – स्त्रियों से कारण पूछना – रस्सी के निशान – बोध होना – अभ्यास में जुट जाना – बड़ा विद्‌वान बनना – सीख।]

कठोर परिश्रम का फल

आकाश नाम का एक विद्यार्थी था। वह स्वभाव से सुशील था, पर उसकी बुद्धि मंद थी। पढ़ाई में वह हमेशा पिछड़ा रहता था। बड़ी मुश्किल से वह सातवीं कक्षा तक पहुँचा था। बेटे की मंदबुद्धि के कारण माता-पिता उससे निराश हो गए थे। पाठशाला में शिक्षक आकाश को मन लगाकर पढ़ने के लिए समझाते थे। पर वह पढ़ाई पर ध्यान ही नहीं देता था। कुछ पढ़ता भी तो उसे याद नहीं रहता था। परिणाम यह हुआ कि वह उस वर्ष परीक्षा में अनुत्तीर्ण हो गया।

इस असफलता से निराश होकर वह आत्महत्या करने के लिए जंगल की ओर चल पड़ा। मार्ग में उसने एक कुआँ देखा। कुएँ पर गाँव की कुछ स्त्रियाँ पानी भर रही थीं। आकाश को जोर की प्यास लगी थी। उसने एक स्त्री से पानी पिलाने के लिए बिनती की। पानी पीते-पीते अचानक आकाश का ध्यान कुएँ के पत्थरों पर बने गहरे निशानों पर गया। उसने उस स्त्री से उन निशानों के बनने का कारण पूछा। स्त्री ने कहा, "हम रोज बर्तन में रस्सी बाँधकर इस कुएँ से पानी भरती हैं। रस्सी की बार-बार रगड़ खाने से इन पत्थरों पर ये निशान बन गए हैं।"

उस स्त्री के इन शब्दों से आकाश की आँखें खुल गईं। उसने सोचा- जब रस्सी की बार-बार रगड़ से कठोर पत्थरों पर भी निशान बन सकते हैं, तो बार-बार याद करने से मुझे पाठ क्यों नहीं याद हो सकता? यह बोध होते ही वह घर की तरफ लौट पड़ा।

उस दिन से आकाश अपनी पढ़ाई में मन लगाकर जुट गया। फिर कभी परीक्षा में उसे असफलता नहीं मिली। उसने ऊँची शिक्षा प्राप्त की। एक दिन उसकी गिनती देश के बड़े-बड़े विद्वानों में होने लगी।

सीख: लगन और मेहनत से असंभव काम भी संभव हो जाता है और सफलता के द्वार खुल जाते हैं।

3. निम्नलिखित कार्यालयीन पत्र का प्रारूप (नमूना) तैयार कीजिए:

मा. स्वास्थ्य अधिकारी, नगर परिषद, कोल्हापुर को संजय/संगीता कोटणीस, 45, शिवनेरी, शाहूनगर, खासबाग मैदान कोल्हापुर से पत्र लिखकर अपने मुहल्ले में बढ़ती गंदगी के बारे में शिकायत करते हुए आवश्यक प्रबंध का अनुरोध करता/करती है।

संजय कोटणीस,
45, शिवनेरी,
शाहू नगर, खासबाग मैदान,
कोल्हापुर।
10 मार्च, 2013

सेवा में,
मा. स्वास्थ्य अधिकारी,
नगर परिषद,
कोल्हापुर।

विषय : मुहल्ले में बढ़ती हुई गंदगी।

महोदय,

मैं कोल्हापुर का नागरिक हूँ। मैं शाहूनगर कॉलोनी में रहता हूँ और कॉलोनी का प्रतिनिधि हूँ। मैं इस पत्र द्वारा एक महत्त्वपूर्ण समस्या की जानकारी देते हुए आपकी सहायता चाहता हूँ।

पिछले कुछ महीनों से हमारे मुहल्ले वाले द्वार के पास, कूड़ा-कचड़ा डालने के लिए सिर्फ एक ही पीपा रखा गया है। एकही पीपा होने के कारण कुछ लोग कुड़ा-कचरा बाहर ही फेंक देते हैं। नगर परिषद के कर्मचारी दो दिन बाद कचरे का

पीपा उठाकर ले जाते हैं और बाहर का कचरा ज्यों का त्यों पड़ा रहता है। कूड़े के सड़ने से हमारे मुहल्ले में दुर्गंध फैल रही है साथ ही साथ मच्छरों का उपद्रव भी बढ़ गया है।

अगर यही समस्या रही तो अस्वच्छता के कारण बीमारी फैल जाने की संभावना है। इसलिए हम आपसे प्रार्थना करते हैं, कि मुहल्ले की गंदगी जल्द से जल्द दूर कराने की व्यवस्था करें।

धन्यवाद।

भवदीय,
संजय कोटणीस

लिफाफा

	प्रति, मा. स्वास्थ्य अधिकारी, नगर परिषद, कोल्हापुर,
प्रेषक, संजय कोटणीस, 45, शिवनेरी, शाहू नगर, खासबाग मैदान, कोल्हापुर।	टिकट

4. निम्नलिखित परिच्छेद पढ़िए और उसपर अधारित आकलन हेतु चार प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर एक-एक वाक्य में हों :

भाग्य पर विश्वास करनेवालों का दावा है कि पिछले जन्मों के कर्मों के अनुसार सफलता या असफलता मिलती है या सुख-दु:ख आते हैं। कई बार भरसक प्रयत्न करने के बाद भी व्यक्ति असफल हो जाता है तो दु:खी हो उठता है। यह मानने के लिए उसे मजबूर होना पड़ता है कि भाग्य में यही लिखा था। सफलता केवल प्रयत्न और परिश्रम से ही नहीं मिलती। उसके लिए व्यावहारिक ज्ञान, सूझ-बूझ, धैर्य, आत्मविश्वास, एकाग्रता आदि कई गुण आवश्यक हैं। काम को बिना समझे, गलत ढंग से, उचट मन से, उद्देश्य की पूरी और स्पष्ट जानकारी पाए बिना कितना भी परिश्रमपूर्वक किया जए, तो भी सफलता मिलना संभव नहीं होता है। जब आवश्यक गुणों के अभाव में मेहनत करनेवाले की सफलता नहीं मिलती तो कहा जाता है कि पिछले जन्म के कर्मों के कारण उसे सफलता नहीं मिली। तब व्यक्ति अपने भाग्य को अपनी असफलता का उत्तरदायी मानकर चुप बैठ जाता है। भाग्यवाद व्यक्ति को निराश, निष्क्रिय और अकर्मण्य बना देता है। अगर असफलता के कारणों को ढूँढ़ा जाए और पुरुषार्थी बनकर उस काम को फिर से करने का संकल्प किया जाए तो असफलता के कारणों से बचने की सूझ आती है और व्यक्ति सफल हो सकता है।

प्रश्न:

1. भाग्य पर विश्वास करने वालों का क्या दावा है?
2. सफलता प्राप्त करने के लिए किन-किन गुणों का होना आवश्यक है?
3. भाग्यवाद मनुष्य को क्या बना देता है?
4. व्यक्ति किस प्रकार सफल हो सकता है?

***उपक्रमशीलता :**

1. अंधश्रद्धा निर्मूलन की दिशा में जनजागरण करने हेतु घोषवाक्य तैयार कीजिए।

"विज्ञान युग की धरो आस, रखो विश्वास ना कि अंधविश्वास!"

2. समाज में प्रचलित अंधश्रद्धा के उदाहरणों की सूची बनाइए तथा उनके खोखलेपन का पर्दाफ़ाश कीजिए।

1. **बिल्ली का रास्ता काटना** – माना जाता है बिल्ली के रास्ता काटने से कुछ अशुभ होता है। दरअसल हम खुद अपनी ही गलती से खुद का नुकसान करते है और दोष बेचारी बिल्ली को देते है। जो एक मूक जानवर है, जो इन सब विचारों से अनजान है।

2. **मनुष्यबली देने से पैसा मिलता है या संतान प्राप्ति होती है** – यह एक भयंकर अंधविश्वास है। किसी दुष्ट, भोंदु बाबा के बहकावे में आकर, पैसे या संतान की लालच में भोले-भाले लोग यह पाप कर बैठते है। असल में ऐसा क्रूर कृत्य करने से ना तो पैसा मिलता है और ना ही संतान। बस जिंदगी भर जेल की हवा खानी पडती है।

3. **अमावस की रात अशुभ मानी जाती है।** – कुछ लोग अमावस की रात को अशुभ मानते है। इस दिन कोई नया काम या सफर शुरू नही करते है। लेकिन, हर पंद्रह दिन के बाद पूनम और अमावस तो होकर ही रहते है, क्योंकि यह सृष्टी का नियम है। इसमे शुभ, अशुभ की कोई संभावना नही है।

4. **पवित्र नदी में डूबकी लगाकर पाप नष्ट होते हैं।**– लोग मानते है कि पवित्र नदियों में डूबकी लगाने से मनुष्य के पाप नष्ट हो जाते हैं। यह एक अंधश्रद्धा है। नदी में स्नान करने से किसी के भी पाप तो धुलते नहीं। लेकिन नदी का पानी दूषित हो जाता है। जिससे पर्यावरण को हानि पँहुचती है। पाप धुलने की चिंता छोडकर, पाप न करने की या पाप, अत्याचार को रोखने की हिंमत खुद में लाना यही समझदारी है।

5. **काला जादू, जादू टोना** – समाज में सिर्फ अशिक्षित नहीं, उच्चशिक्षित, बड़े रईस लोग भी इस प्रकार की खोखली बातों पर विश्वास करते हैं। घर में किसी को असाध्य बिमारी लगी तो किसी ने इसपर जादू किया है यह मानकर ना जाने क्या-क्या उपाय करते हैं। किसी बाबा के पास जाते हैं। जो और गुमराह करता है। डाक्टर के पास सही समय पर ना जाने से बिमारी और कठिन हो जाती है। जिससे कभी कभी व्यक्ति को अपनी जान भी गँवानी पड़ती है। लोग इतने अंधश्रद्धालू हो जाते हैं। यह बात मानते है कि कोसों दूर से कोई परिचित या अपरिचित व्यक्ति हमें शारीरिक तौर पर हानि पँहुचा सकती है। खुद के दिमाग में यह भय इस तरह डाल देते हैं कि सारासार विचार शक्ति ही खो बैठते है। और फिर इस समस्या में ऐसे उलझते हैं, कि कभी बाहर नहीं निकल पाते।

   इस विषय पर समाज सेवक, अंधश्रद्धा निर्मूलन संस्थाए जनहित में कार्य कर रहे हैं। लेकिन हर किसी की यह जिम्मेदारी है कि किसी भी बात पर आँखें बंद कर विश्वास न करे। जो विश्वास हम बरसों से मानते आए है जरूरी नहीं है कि वह सही हैं। वह हमारा अंधविश्वास हो सकता है। हम सबकी यह जिम्मेदारी बनती है कि अंधश्रद्धाओंको जड़ से, हमारे मन से ही नष्ट करें तभी हम सही अर्थ में श्रद्धालू कहलाएंगे।

व्याकरण

***1. मोटे टाइप वाले वाक्यांशों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए मुहावरों में से उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए:**

(पैर पकड़ना, चंपत होना, ताँता बँधा रहना, कमर कसना, हाथ में आना, जान में जान आना, नाक सिकुड़ना।)

1. मानसून की वर्षा आरंभ हुई तब कही जाकर किसानों को धीरज प्राप्त हुआ।
2. मनीष ने अपनी गलती पर पिता जी से क्षमा याचना की।
3. पुलिस को देखकर चोर कहीं गायब हो गया।
4. अकाल का मुकाबला करने के लिए महाराष्ट्र सरकार तैयार हो गई।
5. गांधीजी के दर्शन के लिए आश्रम में हमेशा लोगों की भीड़ लगी रहती।

उत्तर: 1. मानसून की वर्षा आरंभ हुई तब कहीं जाकर किसानों की **जान में जान आई।**

2. मनीष ने अपनी गलती पर पिताजी के **पैर पकड़े।**
3. पुलिस को देखकर चोर कहीं **चंपत हो गया।**
4. अकाल का मुकाबला करने के लिए महाराष्ट्र सरकार ने **कमर कस ली।**
5. गांधी जी के दर्शन के लिए आश्रम में हमेशा लोगों का **ताँता बँधा रहता।**

***2. निम्नलिखित अव्यय शब्दों का अपने अर्थपूर्ण वाक्यों में प्रयोग कीजिए :**

(तो, अभी, बाप रे, के ऊपर, नीचे, यहीं, कुछ।)

1. वह जाएगा **तो** अवश्य।
2. **अभी** हम खाना खाएँगे।
3. **बाप रे !** भागो पुलिस हमारा पीछा कर रही है।
4. छत **के ऊपर** बंदर चढ़ा है।
5. मेरी बहन सुबह-सुबह **यहीं** बैठी थी।
6. मुझे **कुछ** याद नहीं आ रहा।

***3. कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार कालपरिवर्तन कीजिए:**

1. आवाज रामू की बहू के कान में पहुँची। (सामान्य भविष्यकाल)

उत्तर: आवाज रामू की बहू के कान में पहुँचेगी।

2. बिल्ली उसकी ओर देखती है। (सामान्य भूतकाल)

उत्तर: बिल्ली ने उसकी ओर देखा।

3. वह दूध मेज पर रखती है। (पूर्ण भूतकाल)

उत्तर: उसने दूध मेज पर रखा है।

4. सास रोने लगी। (अपूर्ण वर्तमानकाल)

उत्तर: सास रोने लगी है।

5. पंडित पूजा-पाठ करता है। (पूर्ण वर्तमानकाल)

उत्तर: पंडित ने पूजा-पाठ किया है।

6. बिल्ली फँसाने का कटघरा आया। (सामान्य वर्तमानकाल)

उत्तर: बिल्ली फँसाने का कटघरा आता है।

7. बिल्ली डटकर खीर उड़ाती है। (अपूर्ण वर्तमानकाल)

उत्तर: बिल्ली डटकर खीर उड़ा रही है।

***4. निम्नलिखित अशुद्ध वाक्य शुद्ध करके लिखिए:**

1. पंडित परमसुख का नाक सिकुड़ गया।
2. माँ के आँखों में आँसू आई।
3. आवाज बहू के कान में पहुँचा।
4. कबरी के हत्या के लिए उसने कमर कस लिया।
5. एक तरफ नरक है और दूसरे तरफ तुम्हारी जिम्मे थोड़ा-सा खर्च।

उत्तर:

1. पंडित परमसुख की नाक **सिकुड़ गई।**
2. माँ की आँखो में आँसू **आए।**
3. आवाज बहू के कान तक **पहुंची।**
4. कबरी की हत्या के लिए उसने कमर कस **ली।**
5. एक तरफ **नर्क** है और दूसरी तरफ **तुम्हारे** जिम्मे थोड़ा-सा **खर्चा।**

***5. निम्नलिखित शब्द वर्तनी के नियमानुसार लिखिए:**

1. मोरचाबन्दी – मोर्चाबंदी
2. बांस – बाँस
3. बांसुरी – बाँसुरी
4. बिल्ली – बिल्ली
5. लिये – लिए
6. बडा – बड़ा
7. लडखडाना – लड़खड़ाना।

***6. सहायक क्रियाएँ पहचानिए**

1. नौकरों पर उसका हुक्म चलने लगा।

उत्तर: लगना।

2. कबरी बिल्ली घी-दूध पर अब जुट गई।

उत्तर: जाना।

3. रामू की बहू ने तय कर लिया।

उत्तर: लेना।

निबंधलेखन के लिए उपयुक्त काव्यपंक्तियाँ

अगर चाहते हो जीवन में मिले, सफलता का सिंहासन
तो मर्यादा में रहना सीखों, करो ऊँचा चरित्रांकन